

✧x°\*\* \*\*°x✧

# श्री शनिदेव आरती

## Aarti Shri Shani dev

✧x°\*\* \*\*°x✧

## ॥ श्री शनिदेव आरती - 1 ॥

जय शनि देवा, जय शनि देवा,  
जय जय जय शनि देवा ।  
अखिल सृष्टि में कोटि-कोटि जन,  
करें तुम्हारी सेवा ।  
जय शनि देवा, जय शनि देवा,  
जय जय जय शनि देवा ॥

जा पर कुपित होउ तुम स्वामी,  
घोर कष्ट वह पावे ।  
धन वैभव और मान-कीर्ति,  
सब पलभर में मिट जावे ।  
राजा नल को लगी शनि दशा,  
राजपाट हर लेवा ।  
जय शनि देवा, जय शनि देवा,  
जय जय जय शनि देवा ॥

जा पर प्रसन्न होउ तुम स्वामी,  
सकल सिद्धि वह पावे ।  
तुम्हारी कृपा रहे तो,  
उसको जग में कौन सतावे ।  
ताँबा, तेल और तिल से जो,  
करें भक्तजन सेवा ।  
जय शनि देवा, जय शनि देवा,  
जय जय जय शनि देवा ॥

हर शनिवार तुम्हारी,  
जय-जय कार जगत में होवे ।  
कलियुग में शनिदेव महात्तम,  
दुःख दरिद्रता धोवे ।  
करू आरती भक्ति भाव से,

भेंट चढ़ाऊं मेवा ।  
जय शनि देवा, जय शनि देवा,  
जय जय जय शनि देवा ॥

«•• \* ••»

## ॥ श्री शनिदेव आरती -2 ॥

चार भुजा तहि छाजै,  
गदा हस्त प्यारी ।  
जय शनिदेव जी ॥

रवि नन्दन गज वन्दन,  
यम अग्रज देवा ।  
कष्ट न सो नर पाते,  
करते तब सेवा ॥  
जय शनिदेव जी ॥

तेज अपार तुम्हारा,  
स्वामी सहा नहीं जावे ।  
तुम से विमुख जगत में,  
सुख नहीं पावे ॥  
जय शनिदेव जी ॥

नमो नमः रविनन्दन,  
सब ग्रह सिरताजा ।  
बन्शीधर यश गावे,  
रखियो प्रभु लाजा ॥  
जय शनिदेव जी ॥

✧.....°\* \*°.....✧